मेहनत के काम

चींटी के लगे जा, हे सुस्त; ओकर रास्ता पर विचार करीं आ बुद्धिमान रहीं, जवना के कवनो मार्गदर्शक, पर्यवेक्षक भा शासक ना होखे, ऊ गर्मी में ओकर भोजन देले आ फसल के समय ओकर खाना बटोरेले। कब ले सुतल रहब ए सुस्त ? तू कब नींद से उठबऽ ? तबो तनी नींद, तनी नींद, तनी हाथ मोड़ के सुते के, तनी तोहार गरीबी यात्रा करे वाला निहन आई अवुरी तोहार कमी हथियारबंद आदमी निहन आई।
नीतिवचन 6:6-11 में दिहल गइल बा



अपना मन के पूरा लगन से रखीं। काहे कि एकरा में से जीवन के मुद्दा निकलल बा। नीतिवचन 4:23 में दिहल गइल बा

ढील हाथ से काम करे वाला गरीब हो जाला, लेकिन मेहनती के हाथ अमीर बनावेला। जइसे दाँत के सिरका आ आँख के धुँआ, ओइसहीं सुस्त ओकरा के भेजे वाला लोग खातिर।
नीतिवचन 10:4, 26 में दिहल गइल बा

मेहनती के हाथ राज सहत होई, लेकिन आलसी के कर के तहत होई। आलसी आदमी जवन शिकार में लेले रहे ओकरा के ना भुनेला, लेकिन मेहनती आदमी के संपत्ति कीमती होखेला।
नीतिवचन 12:24, 27 में दिहल गइल बा

सुस्त के आत्मा के इच्छा होला आ ओकरा लगे कुछुओ नइखे, बाकिर मेहनती के आत्मा मोट हो जाई। आडंबर से मिलल धन कम हो जाई, लेकिन जे मेहनत से जुटावेला, उ बढ़ जाई।
नीतिवचन 13:4, 11 में दिहल गइल बा

सब मेहनत में फायदा होला, लेकिन होठ के बात खाली गरीबी के ओर झुकेला। नीतिवचन 14:23 में दिहल गइल बा
आलस के रास्ता काँट के बेड़ निहन होखेला, लेकिन धर्मी के रास्ता साफ हो जाला। नीतिवचन 15:19 में दिहल गइल बा

उहो जे अपना काम में आलसी बा, ओकर भाई ह जवन बहुत बर्बाद करे वाला बा। नीतिवचन 18:9 में दिहल गइल बा

आलस्य गहिराह नींद में डाल देला; आ बेकार आत्मा भूख के शिकार हो जाई। आलसी आदमी आपन हाथ अपना छाती में छिपा के राखेला आ ओकरा के फेर से मुँह में ले आवे के काम ओतना ना करी. नीतिवचन 19:15, 24 में दिहल गइल बा

सुस्त जाड़ा के कारण जोत ना करी; एही से उ फसल के समय भीख मांगी, लेकिन ओकरा लगे कुछुओ ना होई। नींद से प्यार मत करीं, कहीं गरीबी में ना आ जाईं। आँख खोल के रोटी से तृप्त हो जइबऽ। नीतिवचन 20:4, 13 में दिहल गइल बा

मेहनती लोग के विचार खाली भरपूरता के ओर झुकेला; लेकिन हर एक के जवन खाली चाहत खातिर जल्दबाजी करेला। आलसी के चाहत ओकरा के मार देला; काहे कि ओकर हाथ मेहनत करे से मना कर देला। उ दिन भर लोभ से लालच करेला, लेकिन धर्मी देवेला अवुरी ना छोड़ेला। नीतिवचन 21:5, 25-26 में दिहल गइल बा

आलसी कहत बा कि बाहर शेर बा, हम गली में मारल जाईब। का तू अपना काम में लगनशील आदमी के देखत बाड़ ? ऊ राजा लोग के सामने खड़ा हो जाई। ऊ नीच आदमी के सामने ना खड़ा होई। नीतिवचन 22:13, 29 में दिहल गइल बा

हम आलसी लोग के खेत आ समझहीन आदमी के अंगूर के बगइचा के किनारे चल गइनी। देखऽ, ऊ सब काँट से उग गइल रहे आ ओकर चेहरा पर बिछुआ ढंकले रहे आ पत्थर के देवाल टूट गइल रहे। कहावत 24:30-31 में दिहल गइल बा

जइसे दरवाजा ओकरा टिका पर घुमेला, ओइसहीं आलसी लोग ओकरा बिछौना पर घूमेला। नीतिवचन 26:14 में दिहल गइल बा

काहेकि जब हम तोहनी के साथे रहनी तबो हम तोहके इ आज्ञा देले रहनी कि अगर केहू काम ना करे के चाहत त उ ना खाए| 2 थिस्सलुनीकियों 3:10 में दिहल गइल बा

जवन कुछ तोहार हाथ करे के मिले, ओकरा के अपना ताकत से करऽ; काहे कि जहाँ तू जात बाड़ू, ओहिजा कवनो काम नइखे, ना षड़यंत्र, ना ज्ञान, ना बुद्धि।
उपदेशक 9:10 में दिहल गइल बा

बहुत आलस्य से भवन सड़ जाला; आ हाथ के बेकारपन से घर गिर जाला। उपदेशक 10:18 में दिहल गइल बा
चोरी करे वाला अब चोरी ना करे, बलुक अपना हाथ से बढ़िया काम करत मेहनत करे, ताकि जरूरतमंद के देवे के पड़े।
इफिसियों 4:28 में दिहल गइल बा

श्रमसाध्य काम से नफरत मत करीं, ना खेती-बारी से, जवन कि परमात्मा के नियुक्ति बा। उपदेशक 7:15 में दिहल गइल बा

आलसी आदमी के तुलना गंदा पत्थर से कइल जाला आ हर केहू ओकरा के सिसकारी मार के ओकर बेइज्जती करी. आलसी आदमी के तुलना गोबर के गंदगी से कइल जाला, जवन आदमी ओकरा के उठाई ऊ ओकर हाथ हिला दी।
उपदेशक 22:1-2 में दिहल गइल बा

जबले कवनो आदमी अपना के प्रभु के भय में लगन से ना राखी तबले ओकर घर जल्दिए उखाड़ फेंकल जाई.
चर्च 27:3 में दिहल गइल बा

अपना बेटा के ताड़ दीं आ ओकरा के मेहनत से पकड़ीं, कहीं ओकर अश्लील व्यवहार तोहरा खातिर अपराध ना होखे।
इक्लेसियास्टिकस 30:13 में दिहल गइल बा
ओकरा के श्रम में भेज दीं कि ऊ बेकार मत होखे। काहे कि आलस्य बहुत बुराई के सिखावेला।
इक्लेसियास्टिकस 33:27 में दिहल गइल बा